कृष्ण गोविन्द

गुरुमाई चिद्विलासानन्द के साथ संकीर्तन

कृष्ण गोविन्द गोविन्द गोपाल।
कृष्ण मुरलीमनोहर नन्दलाल॥

हे भगवान श्रीकृष्ण, हे गौओं के दिव्य पालक!
हे भगवान श्रीकृष्ण, हे गौओं के संरक्षक!
हे नन्द के आनन्दमय लाल,
आप अपनी मुरली से हृदय को हर लेते हैं!

© २०२२ एस. वाय. डी. ए. फ़ाउन्डेशन®। सर्वाधिकार सुरक्षित।

इस नामसंकीर्तन की पूरी रिकॉर्डिंग सिद्धयोग बुकस्टोर में उपलब्ध है।